>

Title : Regarding shortage of power in Bihar.

श्री राजीव रंजन सिंह 'ललन' (बेगूसराय) : अध्यक्ष महोदय, किसी भी पिछड़े प्रदेश को विकसित प्रदेश में परिवर्तित करने के लिए जो इनफ्रास्ट्रक्चर चाहिए, उसमें बिजली का बहुत बड़ा योगदान होता है। बिहार जैसा बड़ा प्रदेश जो पिछड़ा था और अब विकसित प्रदेश के रूप में आ रहा है, वहां बिजली की भयंकर समस्या की ओर मैं सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। बिहार में पिछले 8-9 वर्षों से बिजली का उत्पादन शून्य है। बरौनी और कांटी दो थर्मल पावर स्टेशन थे लेकिन दोनों बंद हैं। हमें पूरे प्रदेश की बिजली के लिए केन्द्रीय परिक्षेत्र पर निर्भर करना पड़ता है। केन्द्रीय परिक्षेत्र से बिहार को 1330 मेगावाट का आवंटन है लेकिन उसके बदले केन्द्रीय परिक्षेत्र से औसत साढ़े आठ सौ मेगावाट बिजली मिल रही है।

इस परिस्थिति में बिहार के मुख्यमंत्री सभी पॉलिटिकल पार्टीज को लेकर दिल्ली आए और यहां ऊर्जा मंत्री से मिले और उनसे मांग की गई कि हमें केंद्रीय परिक्षेत्र पर निर्भर रहना पड़ता है इसलिए बिजली के आबंटन को बढ़ाया जाए। यदि इसे नहीं बढ़ाना है तो हमें कम से कम जितना आबंटित है, उतना मिले, इसे सुनिश्चित किया जाए।

हम आपके माध्यम से बताना चाहते हैं कि एक तरफ हमें कम बिजली मिल रही है और दूसरी तरफ कांटी थर्मल पावर को बिहार सरकार ने मॉडर्नाइजेशन के लिए एनटीपीसी को दिया है कि आप इसका मॉडर्नाइजेशन कीजिए लेकिन ढाई साल हो गए हैं इससे भी उत्पादन नहीं हो रहा है। हम आपके माध्यम से सरकार से अपील करना चाहते हैं और आपसे भी अपील करना चाहते हैं कि आप सरकार को निदेश दें। बिहार बड़ा प्रदेश है, वहां बिजली की समस्या है, इससे निजात पाने के लिए कम से कम जितना आबंटन केंद्रीय परिक्षेत्र से है, उतनी बिजली सुनिश्चित की जाए ताकि वह मिल सके। हम आपसे यही आग्रह करना चाहते हैं।

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर): विद्युत का सवाल किसी एक दल का नहीं है।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: All the Members from Bihar associate with it.

...(*Interruptions*)

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार): महोदय, बिजली मंत्री यहां नहीं हैं। आप निदेश दीजिए कि केंद्र सरकार इस मामले में कम से कम स्थिति से तो अवगत करा दे कि बिहार के मामले में केंद्र सरकार क्या कर रही है?

MR. SPEAKER: I am sure that the Government takes due notice of it as all the hon. Members from a particular State are joining on an issue. It is because it is not a Party matter.

...(*Interruptions*)

श्री शैलेन्द्र कुमार (चायल) : मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान अति महत्वपूर्ण विषय की ओर दिलाना चाहता हूं।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : हमने बोल दिया। I have got a list with me, and I will try to accommodate as many hon. Members as possible. Therefore, I would request that please do not say 'Sir'. सर, सर कहने से बहुत दिक्कत होती है।

...(*Interruptions*)